Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to withdraw the Agnipath Scheme

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): प्रेमचंद्रन जी, थकते ही नहीं हैं। आप जब तक दस बार नहीं बोले तो मजा ही नहीं आता है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सेना में अग्निपथ योजना के माध्यम से संविदा भर्ती के निर्णय को वापस लेने के संबंध में प्रधान मंत्री जी और रक्षा मंत्री जी की तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए बताना चाहता हूं कि सेना जैसे संस्थान में अग्निपथ योजना के माध्यम से संविदा भर्ती का निर्णय किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। यह निर्णय न तो सेना में जाने के इच्छुक युवाओं के हित में है और न ही सेना के लिए सही है। केन्द्र सरकार के इस फैसले के विरोध में राजस्थान सहित देश भर के युवा आंदोलित थे। बड़े आंदोलन हुए तथा ऐसे में सरकार को युवा वर्ग की भावना को ध्यान में रखने की भी जरूरत है।

महोदय, अग्निपथ के माध्यम से ली जाने वाली भर्ती में चार वर्षों के बाद युवाओं के भविष्य पर भी सवालिया निशान है क्योंकि इस योजना के तहत भर्ती होने वाले को न तो कोई रैंक मिलेगी, न ही कोई प्रमोशन मिलेगा और न ही कोई पेंशन मिलेगी। सरकार चार वर्षों के बाद किसी को रिटायर करके भेजेगी तो उसका आगे का भविष्य कैसे सुनिश्चित होगा, यह चिंता का विषय है।

महोदय, सरकार ने इस योजना को आनन-फानन में लागू करके देश के युवाओं के हितों के साथ अन्याय किया है। सरकार के ऐसे निर्णय के विरुद्ध राजस्थान और अन्य प्रदेशों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टियों ने लोकतांत्रिक रूप से प्रदर्शन किया और 27 जून को जोधपुर में दो लाख लोगों ने इस निर्णय के विरुद्ध आरएलपी द्वारा आयोजित रैली में सम्मिलित होकर एक कड़ा संदेश केन्द्र को दिया।

आज सरकार अग्निवीरों को रिटायरमेंट के बाद सार्वजनिक उपक्रमों में नौकरी देने की बात करती है, लेकिन मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि पूर्व सैनिकों के लिए ग्रुप 'सी' और ग्रुप 'डी' में क्रमश: 10 और 20 प्रतिशत पद आरक्षित होने के बावजूद हकीकत में 1.29 प्रतिशत और 1.66 प्रतिशत ही नौकरी दी जा सकी। केन्द्रीय सुरक्षा बलों में भी पूर्व सैनिकों को 10 प्रतिशत नौकरी देने की बात कही गई, लेकिन हकीकत यह है कि एक प्रतिशत से भी कम पूर्व सैनिकों को नौकरी मिल पाई है।

महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि पुरानी तर्ज पर सेना भर्ती की आयु में दो वर्ष की छूट देते हुए प्रांरभ की जाए। कोरोना काल में भर्तियां नहीं हुई हैं और हमने जोरदार तरीके से इस मामले को उठाया था। भारतीय सेना के साथ नेवी और वायुसेना की सभी लंबित भर्तियों को पूरा किया जाए। इस टीओडी, अग्निपथ योजना के फैसले को वापस लिया जाए।

माननीय सभापति : श्री श्रीरंग आप्पा बारणे जी।

… (व्यवधान)

श्री हनुमान बेनीवाल: सभापति महोदय, एक मिनट दीजिए। मेरा नाम लॉटरी में आया है। मैं बिना फालतू इंटरफेयर नहीं करता हूं। मुझे चिंता इस बात की है कि मनीष जी बैठे हैं, अग्निपथ का जैसे ही मामला आया, सारी कांग्रेस बाहर चली गई। आपने इसका विरोध नहीं किया।... (व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री श्रीरंग आप्पा बारणे जी।

... (व्यवधान)

श्री हनुमान बेनीवाल: सभापति महोदय, एक मिनट दीजिए।... (व्यवधान)

माननीय सभापति : नहीं। आप बैठिये। बारणे जी, आप बोलिये।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : बेनीवाल जी, आपकी बात हो चुकी है। आपने अपनी बात की दी है। अब उनकी बात रिकॉर्ड में जा रही है।

... (व्यवधान)